अमेरिका से लेकर द. एशिया तक आपूर्ति किए जाएंगे यूपी में बने इलेक्ट्रिक वाहन

आटो इंडस्ट्री का हब होगा मध्य व पश्चिमी उप्र, दो हजार करोड़ खर्चेगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति बनाने के बाद योगी सरकार अब आटो व ईवी उद्योग को विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पश्चिमी व मध्य उत्तर प्रदेश को आटो व ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) इंडस्ट्री के साथ ही इससे जुड़े उपकरणों के उद्योग के हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए योगी सरकार ने दो हजार करोड़ रुपये खर्च करने का निर्णय भी किया है। योगी ने उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि पश्चिमी व मध्य उप्र में आटो व ईवी उद्योग के लिए पहले से पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं, बस इसे और विकसित करने की जरूरत है। आटो सेक्टर में ईवी की मांग तेजी से बढ़ रही है। इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के साधन भी उपलब्ध होंगे।

योगी ने कहा कि आटो इंडस्ट्री में लार्ज और एमएसएमई इंडस्ट्री का अहम रोल है और ये दोनों ही इंडस्ट्री पश्चिमी और मध्य यूपी में पर्याप्त मात्रा में पहले से स्थापित हैं। इसके साथ ही इन उद्योगों के उपकरणों के निर्यात के लिए यहां एक्सप्रेसवे भी मौजूद हैं। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए यहां पर आसानी से ईस्टन डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर को विकसित कर उसे एक्सप्रेसवे से जोड़ा जा सकता है। आटो इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, लखनऊ, हापुड़, कानपुर नगर और मेरठ को लार्ज इंडस्ट्री के निर्माण के लिए चुना गया है। एमएसएमई इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए आगरा, शाहजहांपुर, अलीगढ़, प्रयागराज, सहारनपुर और इटावा को चुना गया है।

सरकार का निर्णय

10 हजार एकड़ जमीन कराई जाएगी उपलब्ध, आटो इंडस्ट्री की ग्रोथ कर रही सरकार को उत्साहित

एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019 में आटो इंडस्ट्री में यूपी की ग्रोथ स्टेट वैल्यू एडिशन (जीएसवीए) डेढ़ बिलियन डालर (लगभग 150 करोड़ रुपये) थी, जिसे अगले पांच वर्ष में पांच बिलियन डालर (लगभग पांच सौ करोड़ रुपये) किया जा सकता है। पश्चिमी व मध्य यूपी में इस इंडस्ट्री के विकास के लिए नौ से 10 हजार एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी। इसके लिए सरकार ने लगभग 20 बिलियन डालर (लगभग दो हजार करोड़ रुपये) खर्च करने का निर्णय किया है। अधिकारियों का कहना है कि यूपी में बने ईवी व आटो पार्ट को यूके, यूएसए, आस्ट्रेलिया व साउथ एशिया में सप्लाई किया जाएगा। इन देशों में दो पहिया व तीन पहिया ईवी तथा बैट्री की मांग काफी अधिक है।

टेक्नीशियन के पदों पर बढ़ेगा रोजगार : बैठक में योगी ने कहा कि पश्चिमी यूपी में आटो जोन और आटोमोटिव इंडस्ट्री को विकसित करने के लिए इससे जुड़े सहायक और डाउन स्ट्रीम उद्योग पर फोकस करना होगा। इसके लिए ईवी ओरिजनल इक्यूपमेंट मैन्युफैक्चरर के सहायक उद्योग रबड़ प्रसंस्करण, प्लास्टिक, धातु, मशीनरी, कांच उद्योग को ग्रीन जोन के रूप में विकसित करना होगा। प्रदेश में ईवी चार्जिंग नेटवर्क को भी बढ़ाना होगा। इलेक्ट्रिक आटो इंडस्ट्री में बैट्री, बैट्री केमिकल, सेल मैन्युफैक्चरिंग, फ्यूल और वेल्डिंग का अहम रोल है। इसके लिए कास्टिंग, वेल्डिंग मशीन आपरेटर, ईवी एसेंबल टेक्नीशियन के साथ ही ट्रीटमेंट टेक्नीशियन के पदों पर सबसे ज्यादा रोजगार उपलब्ध होंगे। एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2017 में इस सेक्टर में 60 से 70 हजार लोगों को रोजगार मिला था। अगले पांच वर्षों में 90 हजार से 1.10 लाख रोजगार प्रति वर्ष उपलब्ध होने का अनुमान है।